प्राचार्य की कलम से...

प्रिय छात्राओं,

रायपुर नगर के प्रसिध्द विवेकानन्द सरोवर तट के समीप स्थित शासकीय दूधाधारी बजरंग स्नताकोत्तर (स्वशासी) महिला महाविद्यालय रायपुर (छत्तीसगढ़) में आपका हार्दिक अभिनंदन एवं स्वागत है। महिला शिक्षा को समर्पित यह महाविद्यालय विगत 60 वर्षों से इस क्षेत्र की महिला प्रतिभाओं को तलाशने एवं तराशने की भूमिका में संलग्न है। महाविद्यालय की शिद्दत भरे प्रयासों का ही परिणाम है कि इस महाविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती समारोह (2008) में देश की प्रथम महिला राष्ट्रपति महामहिम श्रीमती प्रतिभा देवी सिंह पाटील ने मुख्य अतिथि स्वीकार कर हमें तथा प्रदेश को गौरावान्वित किया।

विगत वर्षों के अकादमिक प्रयासों के फलस्वरुप सन् 1958 में केवल 62 छात्राओं, से केवल कला संकाय में स्नातक पाठ्यक्रम के साथ प्रारंभ हुये इस महाविद्यालय में वर्तमान समय में 3600 से अधिक छात्रायें अध्यनरत् हैं। इस दौर में महाविद्यालय में कला के साथ-साथ विज्ञान, वाणिज्य, गृहविज्ञान, शारीरिक शिक्षा के संकाय भी आवश्यकता के दृष्टिगत एक के बाद एक प्रारंभ हुये, जिनमें वर्तमान में 34 विभिन्न विषयों में स्नातक/स्नातकोत्तर स्तर पर पाठ्यक्रम संचालित हो रहे हैं। हमाये प्रयासों को पहचान देते हुये विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली ने अपने महात्वकांक्षी ''कम्प्यूनिटी कॉलेज स्कीम'' के तहत सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में केवल इस महाविद्यालय को डिप्लोमा इन हास्पिलिटी पाठ्यक्रम अंतर्गत स्वीकृत किया है, जिसे सत्र् 2015-16 से प्रारंभ किया जा चुका है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली ने इस महाविद्यालय को सी.पी.ई. (College with Potential for Excellence) का दर्जा देकर हमें देश के उन चुनिंदा 136 महाविद्यालयों में शामिल किया है जिन्हें College with Potential for Excellence (CPE) बतौर जाना जाता है। इसी तरह RUSA से महाविद्यालय को 2 करोड़ का अनुदान प्राप्त है।

इस योजना में महाविद्यालय को मिले अनुदान से कई प्रयोगशालाओं का उन्नयन एवं आधुनिकीकरण के कार्य प्रगति पर है, महाविद्यालय परिसर में वाई-फाई सुविधा उपलब्ध है साथ ही सभी विभाग ''वायर नेटवर्किंग'' के माध्यम से जुड़े हैं। छात्राओं का संस्था में प्रवेश से लेकर परीक्षा परिणाम, विशेष सॉफ्टवेयर के माध्यम से Computerized किया गया है, अध्ययन तथा अध्यापन के कार्यों में भी कम्प्यूटर के माध्यम से नवाचार विकसित हुआ है। आधुनिक कम्प्यूटर लेब के अलावा टिशु कल्चर लैब (Tissue Culture Lab) ग्रीन हाउस, नेट हाउस आदि आधुनिकतम उपकरणों वाली प्रयोगशालायें अध्ययन, अध्यापन एवं शोध कार्यों के लिये विकसित की गई है। वर्तमान में पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर एवं सरगुजा विश्वविद्यालय ने महाविद्यालय के 08 विभागों को शोध केन्द्र के रुप में मान्यता दी है, जिसमें 100 से अधिक छात्र-छात्रायें वर्तमान में समय में विभिन्न विषयों में शोध कार्यों में संलग्न है।

मै अत्यंत गर्व के साथ हमारी प्रतिभाओं की उपलब्धियों के बारे में आपको बताना चाहूँगी कि हमारे महाविद्यालय से सत्र् 2017-18 बैच में एम.ए. अंतिम राजनीति शास्त्र की छात्रा कु. प्रियंका बिरसा ने प्रवासी भारतीय दिवस 2017 मेकं 45 अन्य देशों में भारत का नेतृत्व किया। प्रधानमंत्री माननीय नरेन्द्र मोदी जी व्दारा घोषित पहला यूथ पार्लियामेंट में भारत के 8500 युवाओं में विजेता रही। यह कार्यक्रम गौतम बुध्द विश्वविद्यालय ग्रेटर नोएडा दिल्ली में आयोजित हुआ। इन्होंने इस तरह हमारे महाविद्यालय एवं प्रदेश को गौरवान्वित किया।

इसी तरह महाविद्यालय की छात्राओं ने रोजगार के विभिन्न क्षेत्र में अपनी योग्यता सिध्द कर बड़ी संख्या में प्राध्यापक, राज्य प्रशासनिक सेवा, पुलिस, सैन्य अधिकारी, कुलपति, जिलाधीश, विधायक, सांसद, नासा में वैज्ञानिक पदों में आसीन होकर अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाई है।

इस महाविद्यालय की क्रीड़ा प्रतिभाओं ने 2017-18 में अपने कौशल एवं कीर्तिमानों से राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में प्रदेश में प्रतिनिधित्व किया है। जिनमें अंशु ध्रुव, निकिता प्रधान, गंगा साहू (वालीवाल), ज्योति यादव, सरिता यादव (फुटबॉल), चम्पेश्वरी एवं शीखा यादव (हैन्ड बॉल), दीपिका तिवारी एवं अंजनी देवदास (नेशनल क्रिकेट), नेहा, सुमन यादव एवं जानव्ही (नेशनल योगा), लिलेश्वरी (खो-खो), पिंकी साहू (कायकिंग), जिग्यासा तिर्की एवं मनोनित तिग्गा (नेशनल थ्रो बॉल), महेश्वरी मंडल एवं माया साहू (नेशनल नेट बॉल) के नाम उल्लेखनीय है। मेरी नजर में शायद ही कोई ऐसा क्षेत्र छुटा हो जहाँ हमारी प्रतिभाओं ने अपनी दस्तक न दी हो, वैसे भी उच्च शिक्षा के माध्यम से छात्राओं का समग्र विकास ही हमारा मिशन है।

हम प्रयासरत् है कि छात्राओं के लिये महाविद्यालय में समयानुकूल अकादमिक वातावरण तैयार कर सकें जिसके माध्यम से समाज, प्रदेश एवं देश के लिये एक बेहतर एवं संवेदनशील नागरिक तैयार कर सकें। मुझे आशा है कि आप भी हमारे सकारात्मक प्रयासों के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने का प्रयास करेंगे तथा जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता के नये शिखरों को छूते हुये अपने समाज प्रदेश एवं राष्ट्र को नई दिशा दे सकने में सक्षम एवं सफल हो सकेंगी। यही आप सबसे मेरी अपेक्षा है।

अंत में विश्वविद्यालय व्दारा महिला शिक्षा के क्षेत्र में किये गये प्रयासों का सम्मान करते हुये विशविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली ने हमारे महाविद्यालय को महिला अध्ययन केन्द्र (Centre for women studies के लिये चुना है एवं सुगम्य भारत अभियान के अंतर्गत भी चिन्हित है। ऐसी उपलब्धियों को प्राप्त करने वाला महाविद्यालय संपूर्ण छत्तीसगढ़ में इकलौता है।

डॉ. रेखा पांडेय

प्राचार्य/संरक्षक

शासकीय दूधाधारी बजरंग महिला स्नातकोत्तर (स्वशासी)

महाविद्यालय रायपुर (छत्तीसगढ़)